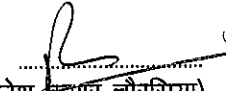


अचल सम्पत्ति विवरणिका वर्ष 2016

* प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण, वर्ष - निरंक

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम- दिनेश कुमार चौरसिया 2. वर्तमान धारित पद- कार्यपालन अभियंता (सिविल) 3. कार्यालय का नाम :- मुख्य अभियंता (अउदा-निर्माण) जबलपुर
4. वर्तमान वेतन-रु 67000 + 8700/- (Basic+GP) 5. भविष्य निधि क्रमांक-22796808 6. कर्मचारी संख्या - 89973406

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/ कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो, उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
(1) ग्राम तिलहरी जिला जबलपुर	फ्लैट नं. 309 कटारिया थीस पार्क तिलहरी जबलपुर	-----	25 लाख(लगभग)	स्वयं के नाम पर	भारतीय स्टेट बैंक शाखा सिविल लाइन जबलपुर से ऋण लेकर वर्ष 2013 में	निरंक	
(2) रामनगर छापर जबलपुर म.प्र.	प्लॉट	1500 वर्गफुट	10 लाख(लगभग)	स्वयं एवं श्रीमति इन्दु चौरसिया (पत्नी) के नाम पर	वर्ष 2009 में नेशनल हाउसिंग सोसायटी जबलपुर से किरातों में मूल्य प्रदाय कर	निरंक	
(3) हाथीताल जबलपुर म.प्र.	प्लॉट	1500 वर्ग फुट	10 लाख(लगभग)	स्वयं के नाम पर	वर्ष 2003 में ब्रम्हपुरी ग्रह निर्माण समिति हाथीताल जबलपुर से ली गई थी लेकिन विवादित होने पर उच्च न्यायालय द्वारा विकास प्राधिकरण जबलपुर में हस्तांतरित कर दी गई। (वर्तमान में भी विवादित)	निरंक	

हस्ताक्षर 
नाम - (दिनेश कुमार चौरसिया)
पद- कार्यपालन अभियंता (सिविल)

जहां लागू न हो काट दीजिये
" ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाये
" इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं
टिप्पणी- मण्डल द्वारा ग्राह्य म.प्र.शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वात्तिक की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें ।